ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

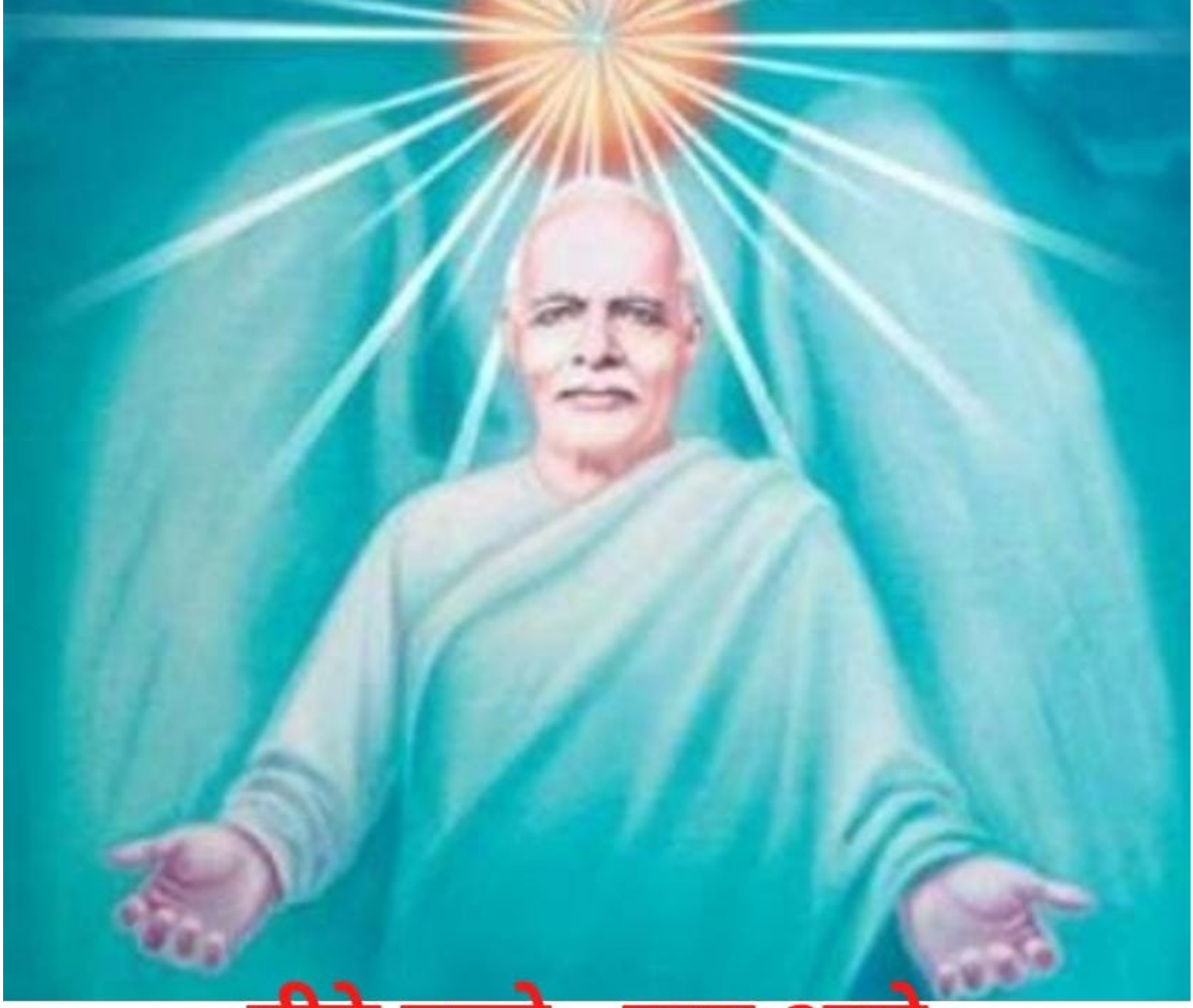

मीठे बच्चे - बाप आये हैं कलियुग की महफिल में, यह बहुत बड़ी महफिल है, इस महफिल में तुम परवाने शमा पर फिदा हो पावन बनते हो

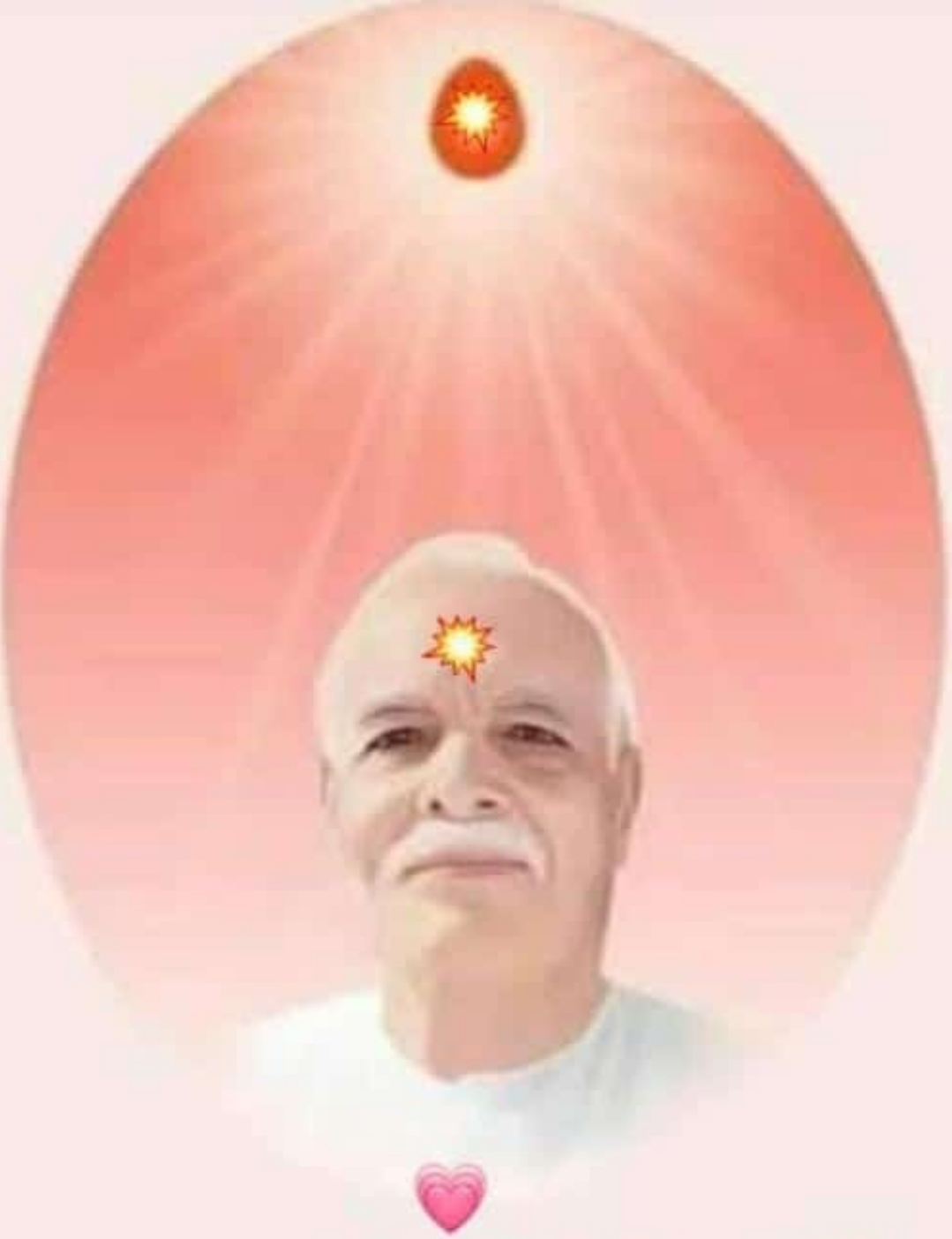

बहुत गई थोड़ी रही,
थोड़ी भी अब जाये ।
शिव कहे सुन आत्मा,
क्यों व्यर्थ समय गंवाये ।

जिंदगी में मुश्किलों का आना
Part Of Life है
और उनमें से हंसकर बाहर आना
Art Of Life है।

छोटी-छोटी बातों में घबराओ नहीं

पूज्यनीय मूर्ति बन रहे हो तो
कुछ हेमर (हथौड़े) तो लगेंगे ही
जो जितना आगे होता है
उसको तूफान भी
सबसे ज्यादा क्रास करने होते हैं
लेकिन वो तूफान उन्हों को
तोहफा (गिफ्ट) लगता है
अनुभवी बनने की गिफ्ट
लगता है इसलिए
विघ्नों को वेलकम करो
और अनुभवी बनते
आगे बढ़ते चलो

परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti

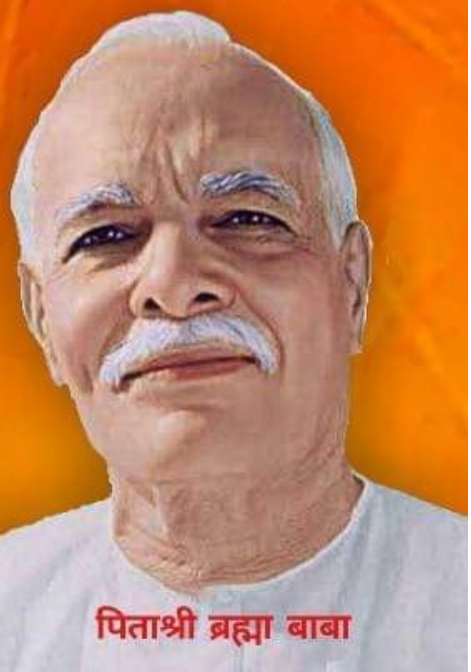

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

"संगम की बैंक में साइलेन्स की शक्ति और श्रेष्ठ कर्म जमा करो, शिवमन्त्र से मैं-पन का परिवर्तन करो"

अन्त में इस साइलेन्स की सेवा का सहयोग देना पड़ेगा । संरकमस्टांश अनुसार यह बहुत ध्यान में रखो, साइलेन्स की शक्ति या अपने श्रेष्ठ कर्मो की शक्ति जमा करने की बैंक सिर्फ अभी खुलती है और कोई जन्म में जमा करने की बैंक नहीं है । अभी अगर जमा नहीं किया फिर बैंक ही नहीं होगी तो किसमें जमा करेंगे! इसलिए जमा की शक्ति को जितना इकठ्ठा करने चाहो उतना कर सकते हो । वैसे लोग भी कहते हैं जो करना है वह अब कर लो। जो सोचना है अब सोच लो। अभी जो भी सोचेंगे वह सोच, सोच रहेगा और कुछ समय के बाद जब समय की सीमा नजदीक आयेगी तो सोच पश्चाताप के रूप में बदल जायेगा । यह करते थे, यह करना था... तो सोच नहीं रहेगा, पश्चाताप में बदल जायेगा । इसीलिए बापदादा पहले से ही इशारा दे रहा है । साइलेन्स की शक्ति, एक सेकण्ड में कुछ भी हो, साइलेन्स में खो जाओ । यह नहीं पुरुषार्थ कर रहे हैं! जमा का पुरूषार्थ अभी कर सकते हो। तो बापदादा का बच्चों से स्नेह है, बापदादा एक-एक बच्चे को साथ ले जाना चाहते हैं। जो वायदा है साथ रहेंगे, साथ चलेंगे... वह वायदा निभाने के लिए समान साथ चलेगा ।

५-३-२००८

Today's Awareness

Brahma Kumaris

I, the soul, a point of light, I am the child of the Supreme Soul, a Point of Light. I inherit Heavenly inheritance of happiness and peace from Him as my birth right.

"I am a LOVING BEING.
Love, a feeling I was searching outside...
The feeling that I wanted from others....
That feeling is me....I am LOVE.
Love is my nature....
I am a Radiator of Love.
I radiate Love and Acceptance to everyone...
Irrespective of who they are....
how they behave.
I am the child of God...
The Ocean of Love,
I have nothing but
Love to give Everyone."

Remembering the Past is to learn from it?

Re-opening past wounds, Re-living emotions, Deepening the hurt ... Remembering the Past Makes it a Present experience.

Emotional patterns repeat and become our Response to present situations.

Past holds no lessons ... the only lesson is To Change Our Emotional Response.

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org